DAINIK BHASKAR, Surat, 8.3.2024
Page No. 2, Size:(7.32)cms X (7.24)cms.

बुलेट रेल प्रोजेक्टः पालघर में भी जियो टेक्निकल टेस्ट शुरू हुआ

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

गुजरात के साथ महाराष्ट्र में भी बुलेट रेल परियोजना का काम अब पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के पालघर में भी जियो टेक्निकल टेस्ट शुरू हो गया है। यहां बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के एलिवेटेड हिस्से में निर्माण की गतिविधि शुरू हो गई है। यह खंड शिलफाटा (मुंबई के पास) से महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गांव तक कुल 135 किलोमीटर का है। यह खंड परियोजना के सबसे जटिल ऊंचे हिस्से में से एक में 6

पहाड़ी सुरंगें, 11 स्टील पुल सहित 36 क्रॉसिंग और उल्हास, वैतरणा और जगनी जैसी प्रमुख नदियों पर पुल बनाने का कार्य शामिल है। बुलेट ट्रेन परियोजना का सबसे लंबा नदी पुल (2.32 किमी) इसी खंड में वैतरणा नदी पर बनेगा।

HINDU, Mumbai, 8.3.2024
Page No. 12, Size:(6.57)cms X (7.26)cms.

Acquisition of land for bullet train project completed

The land acquisition for the Mumbai-Ahmedabad bullet train project has been completed, a spokesperson from the National High Speed Rail Corporation Ltd. said. Construction activity has begun in an elevated portion of the bullet train corridor in Maharashtra. This section comprises a total of 135 km from Shilphata near Mumbai to Zaroli village on the Maharashtra-Gujarat boundary, the spokesperson added. This section is among the most complicated elevated parts of the project comprising six mountain tunnels and 36 crossings, including 11 steel bridges and river bridges on the Ulhas, Vaitarna and Jagani rivers. The steel bridges are crossings on roads, railways and dedicated freight corridor. Bullet trains are expected to cut by half the time taken to travel between Mumbai and Ahmedabad.

DAINIK BHASKAR, Mumbai, 8.3.2024
Page No. 1, Size:(13.18)cms X (10.74)cms.

महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर 135 किमी हिस्सा सबसे जटिल, उल्हास नदी और वैतरणा पर बनेगा सबसे लंबा पुल

ठाणे-पालघर में भूमि अधिग्रहण 100% पूरा, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर के अंतर्गत महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन परियोजना का भूमि अधिग्रहण 100 फीसदी हो गया है। भूमि अधिग्रहण पूरा होते ही पालघर और ठाणे जिले में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य को गति मिल गई है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने महाराष्ट्र में पैकेज सी-3 के अंतर्गत बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के एलिवेटेड हिस्से में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इस परियोजना का अब तक 50 फीसदी जिओ तकनीक सर्वे पूरा हो चुका है। बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का यह हिस्सा मुंबई स्थित शीलफाटा से महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गांव तक कुल 135 किलोमीटर तक है, जो सबसे जटिल ऊंचे हिस्से में से एक है। इसमें 6 पहाड़ी सुरंगें, 11 स्टील पुल और उल्हास, वैतरणा और जगनी जैसी प्रमुख नदियों पर पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना का सबसे लंबा नदी के ऊपर से गुजरने वाला पुल (2.32 किमी) वैतरणा नदी पर इसी हिस्से में है। महाराष्ट्र में ठाणे, विरार और बोईसर बुलेट ट्रेन के तीन स्टेशन हैं। हाई स्पीड रेल के ये सभी तीन स्टेशन मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के अंतर्गत आते हैं। एमएमआर में रोजाना लाखों की संख्या में इन स्टेशनों के बीच के यात्री लोकल ट्रेन, कार और सिटी बस आदि के माध्यम से आवागमन करते हैं।

▪ 50% जिओ तकनीक सर्वे पूरा

▪ ये कार्य प्रगति पर

- 100 प्रतिशत हो गया परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण
- 78 किमी पर सफाई और ग्रबिंग कार्य प्रगति पर
- 50 फीसदी से अधिक पूरी हो चुकी है भू-तकनीकी जांच
- 19 स्थानों पर ओपन फाउंडेशन का निर्माण का कार्य जोरों पर

- **कुल लंबाई 135 किमी:** (महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर शीलफाटा और जरोली गांव के बीच)
- **वायाडक्ट और पुल:** 124 किमी
- **पुल और क्रॉसिंग:** 11 स्टील के पुल
- **तीन स्टेशन:** ठाणे, विरार और बोईसर
- **पर्वतीय सुरंगें:** 6 (कुल लंबाई 6 कि.मी.)
- **नदी के पुल :** उल्हास नदी, वैतरणा और जगनी, परियोजना का सबसे लंबा पुल (2.32 किलोमीटर) वैतरणा नदी पर होगा
- **19 जुलाई 2023:** को अनुबंध पर किए गए थे हस्ताक्षर
- **पैकेज का नाम :** एमएएचएसआर-सी-3

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 9.3.2024
Page No. 2, Size:(8.89)cms X (10.78)cms.

हाई स्पीड रेल

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में शिलफाटा से जरोली गांव के बीच कार्य शुरू

सूरत @पत्रिका. गुजरात में बुलेट रेल परियोजना का काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वहीं, अब महाराष्ट्र के पालघर में भी इसकी शुरुआत हो गई है। मुम्बई के पास शिलफाटा से महाराष्ट्र व गुजरात की सीमा पर जरोली गांव तक कुल 135 किमी पर कार्य शुरू किया गया है। यहां करीब 19 स्थानों पर ओपन फाउंडेशन का निर्माण और 42 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है। वहीं भू-तकनीकी जांच प्रगति पर है और 50 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के एलिवेटेड हिस्से में भौतिक निर्माण गतिविधि शुरू हो गई है। यह सेक्शन शिलफाटा (मुंबई के पास) से महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गांव तक कुल 135 किलोमीटर का है। यह खंड परियोजना के सबसे जटिल ऊंचे हिस्से में से एक है। इसमें 6 पहाड़ी सुरंगें, 11 स्टील पुलों सहित 36 क्रॉसिंग और उल्हास, वैतरणा तथा जगनी जैसी प्रमुख नदियों पर नदी के पुल शामिल हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना का सबसे लंबा नदी का पुल वैतरणा नदी पर 2.32 किमी का इसी सेक्शन में है। इस क्षेत्र में ठाणे, विरार और बोईसर में 3 बुलेट ट्रेन स्टेशन भी शामिल हैं। बता दें, मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर पर आणंद और अहमदाबाद के बीच मोहर नदी पर ब्रिज का निर्माण पूरा होने पर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की थी। दक्षिण गुजरात में पहले ही छह नदियों पर हाई स्पीड रेल ब्रिज का कार्य पूरा किया जा चुका है। बुलेट ट्रेन परियोजना में गुजरात और महाराष्ट्र में कुल 24 नदी पुल बनाए जाने हैं।

पालघर और ठाणे जिले से बुलेट ट्रेन निर्माण की प्रगति

- कुल लम्बाई 135.45 कि.मी.
- वायाडक्ट और पुल- 124 किमी
- पुल और क्रॉसिंग- 11 स्टील के पुलों सहित 36
- तीन स्टेशन- ठाणे, विरार और बोइसर
- पर्वतीय सुरंगें- 6
- 19 जुलाई 2023 को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए
- पैकेज का नाम- एमएएचएसआर-सी-3
- 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण। सफाई और ग्रबिंग कार्य प्रगति पर- 78 किमी पूरा
- भू-तकनीकी जांच प्रगति पर है, 50 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चुकी है।
- 19 स्थानों पर ओपन फाउंडेशन का निर्माण और 42 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है।

LOKMAT- HELLO MUMBAI, Mumbai, 9.3.2024
Page No. 4, Size:(9.60)cms X (8.56)cms.

Soil examination is in process for Bullet train project: strong base will be built to enable bullet train run faster

मजबूत बांधकाम होणार अन् मग 'बुलेट ट्रेन' धावणार

बुलेट ट्रेनसाठी होतेय मातीचे परीक्षण

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे काम वेगाने सुरू आहे. आता ठाणे आणि पालघर जिल्ह्यांमध्ये प्रकल्पस्थळी माती परीक्षणाचे काम हाती घेण्यात आले आहे. माती परीक्षणादरम्यान मातीचे नमुने प्रयोगशाळेत तपासणीसाठी पाठविले जाणार असून, परीक्षणांती प्रकल्पातील कोणत्या ठिकाणी कोणत्या पद्धतीने बांधकाम करायचे, याचा आढावा घेतला जाणार आहे, अशी माहिती नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडकडून देण्यात आली.

मातीचे परीक्षण केल्याने संबंधित ठिकाणावरील जमिनीचा अंदाज येतो. त्यामुळे त्या ठिकाणी किती मजबूत बांधकाम करायचे, याचा आढावा घेतला जातो. राज्यात सध्या हे काम सुरू आहे. राज्यात बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरच्या जमिनीवरील बांधकामास सुरुवात झाली आहे. महाराष्ट्र-गुजरात सीमेवरील शिळफाटा ते झरोली गावापर्यंत एकूण १३५ किमीमध्ये हे काम सुरू आहे.

प्रकल्पासाठी सध्या कोणती कामे सुरू आहेत?

भूगर्भातही तपासणी सुरू असून, हे काम **५०%** पूर्ण झाले आहे.

- १०० टक्के जमीन संपादित झाली आहे.
- स्वच्छतेची कामे सुरू असून, ही कामे ७८ किमी मार्गावर सुरू आहेत.

ठाणे आणि पालघर जिल्ह्यांमध्ये प्रकल्पस्थळी माती परीक्षणाचे काम हाती घेण्यात आले

पालघर, ठाणे जिल्ह्यात असे सुरू आहे काम

- एकूण लांबी १३५.४५ किमी (महाराष्ट्र-गुजरात सीमेवरील शिळफाटा ते झरोली गावादरम्यान)
- **व्हायाडक्ट आणि पूल :** १२४ किमी
- **पूल आणि क्रॉसिंग :** संख्या ३६, ज्यात ११ स्टील पूल आहेत.
- **स्थानके :** ३ - ठाणे, विरार आणि बोईसर
- **डोंगरातील बोगदे :** ६
- **नदी पूल :** उल्हास नदी, वैतरणा आणि जगनी, यापैकी प्रकल्पाचा सर्वात लांब पूल (२.३२ किमी) वैतरणा नदीवर बांधला जाणार आहे.